व्याख्या— अरावली विकास परियोजना का सम्बन्ध पारिस्थितिकी स्थिरता को बनाए रखने से है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य क्षेत्रीय पर्यावरण सन्तुलन की रक्षा करने के लिए भूमि, जल, वायु, पशु व वन के मध्य परस्पर सम्बन्धों का सन्तुलन सुनिश्चित करना और इस प्रकार क्षेत्रीय निवासियों का आर्थिक विकास सुनिश्चित करना था।

2014. निम्न प्रकार की वनस्पतियों में से कौन-सी राजस्थान में प्राप्त नहीं है?

(a) उष्ण कटिबन्धीय शुष्क
(b) उष्ण कटिबन्धीय कंटीली
(c) उष्ण कटिबन्धीय मरुस्थलीय
(d) उष्ण कटिबन्धीय पतझड़

उत्तर - (d)

RPSC RAS/RTS 1996

व्याख्या—राजस्थान एक शुष्क प्रदेश है, जहां मरुस्थलीय प्रकार की कंटीली वनस्पतियाँ पायी जाती हैं। अरावली श्रेणी के मानसून के समानान्तर अवस्थित होने के कारण यहाँ वर्षा नहीं हो पाती है। राजस्थान में प्राकृतिक वनस्पतियाँ तीन प्रकार की मिलती हैं, जो निम्न हैं - शुष्क सागौन वन प्रदेश, उष्ण कटिबन्धीय शुष्क पतझड़ वन तथा मिश्रित वन। राजस्थान में उष्ण कटिबन्धीय पतझड़ी वन प्राप्य नहीं हैं। इस प्रकार की वनस्पतियाँ भारतीय प्रायद्वीप के पूर्वी भाग में पायी जाती हैं।

2015. सागवन-रोपण हेतु सबसे उपयुक्त जिले हैं–

(a) भरतपुर एवं अलवर (b) श्रीगंगानगर एवं बीकानेर
(c) जालौर एंव सिरोही (d) बाँसवाड़ा एवं उदयपुर

उत्तर-(d)

RPSC RAS/RTS 1996

व्याख्या—सागवन रोपण हेतु 90 सेंटीमीटर से अधिक वर्षा वाले क्षेत्र उपयुक्त माने जाते हैं। सागवन वन राज्य के दक्षिणी भाग में बांसवाड़ा वन विभाग के अन्तर्गत लगभग 5,200 वर्ग किमी0 क्षेत्र में विस्तृत हैं। इनमें मुख्यतः सागवन के वृक्षों का रोपण किया जाता है। इसके अतिरिक्त चित्तौड़गढ़, उदयपुर और बारां के वन भी सागवन-रोपण हेतु उपयुक्त हैं।

2016. किस खुशबूदार उपज के उत्पादन के लिए नागौर प्रसिद्ध है?

(a) जीरा (b) मैथी
(c) लहसुन (d) धनिया

उत्तर–(b)

RPSC RAS/RTS 2006-07

व्याख्या—खुशबूदार मसाला फसल मेथी के उत्पादन के लिए नागौर प्रसिद्ध है। अग्रणी उत्पादक जिले जयपुर, सीकर, झुंझनू, चित्तौड़गढ़ है। धनियां उत्पादक जिले बारां, कोटा, झालावाड़, बूँदी तथा लहसुन उत्पादक जिले चित्तौड़गढ़ जोधपुर, बारां, भीलवाड़ा व झुंझनू हैं।

2017. राजस्थान का कौन-सा वृक्ष `जंगल की ज्वाला' के नाम से जाना जाता है?

(a) खेजड़ी (b) नीम
(c) पलास (d) पारस पीपल

उत्तर – (c)

RPSC RAS/RTS 2008

व्याख्या— पलास वृक्ष को `जंगल की ज्वाला' के नाम से जाना जाता है। ये वन राज्य के कठोर व पथरीले क्षेत्र में फैले है। जहाँ पहाड़ियों के मध्य जल पठारी धरातल है तथा ऐसे मैदानी क्षेत्र जहाँ मिट्टी अपेक्षाकृत कम है वहाँ भी ये वन मिलते है। ये वन अलवर, अजमेर, सिरोही, उदयपुर, पाली, राजसमन्द जिलों में पाए जातें हैं। खेजड़ी राजस्थान का राजकीय वृक्ष है, इसे थार का कल्पवृक्ष भी कहते हैं।

2018.किस जिलों के समूह में अधिकतम वन क्षेत्र पाया जाता है?

(a) बारां-उदयपुर-चित्तौड़गढ़ (b) भरतपुर-झालावाड़-कोटा
(c) करोली-सिरोही- डूंगरपुर (d) बांसवाड़ा-धौलपुर-राजसमन्द

उत्तर – (a)

RPSC RAS/RTS 2008

व्याख्या — बारां-उदयपुर-चित्तौड़गढ़ जिलों के समूह में अधिकतम वन क्षेत्र पाया जाता है।

2019. निम्नलिखित कथनों का परीक्षण कीजिये तथा दिये गये कूट का उपयोग करते हुए सही उत्तर का चयन कीजिये –

(A) शुष्क सागवान के वन राजस्थान के दक्षिणी भाग में संकेंद्रित हैं।
(B) सागवान के वन 75 से 110 सेमी. वार्षिक वर्षा वाले क्षेत्रों में पाये जाते हैं।
(C) माउन्ट आबू पर उप-उष्णकटिबंधीय सदाबहार वन पाये जाते हैं।
(D) पश्चिमी राजस्थान के वन मिश्रित पतझड़ वाले वन हैं।

कूट :

(a) (A) और (B) सही हैं। (b) (B) और (C) सही हैं।
(c) (A) और (D) सही हैं। (d) (A), (B) और (C) सही हैं।

उत्तर – (d)

RPSC RAS/RTS 2013

व्याख्या – वन विभाग राजस्थान सरकार के अनुसार राज्य के कुल क्षेत्रफल का 9.60% भाग प्राकृतिक वनस्पतियों से ढंका है। राज्य के कुल वन क्षेत्रफल का 37.05% आरक्षित वन तथा 49% रक्षित वन, 6.46% अवर्गीकृत वन है। भारत के कुल वन क्षेत्र का राजस्थान में 4.23% है। राजस्थान का सर्वाधिक वनाच्छादित जिला उदयपुर तथा सबसे कम वनाच्छादित जिला चुरु है। राज्य में पतझड़ वनों का सर्वाधिक प्रसार है, जबकि सदाबहार वन सबसे कम पाए जाते हैं।

2020. राजस्थान का वह जिला, जहाँ उष्णकटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वन पाये जाते हैं, वह है –

(a) बीकानेर (b) सिरोही
(c) नागौर (d) श्रीगंगानगर

उत्तर – (*)

RPSC RAS/RTS 2013

व्याख्या – राजस्थान में उष्ण कटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वन अरावली श्रृंखला के उत्तरी तथा पूर्वी ढलानों वाले क्षेत्रों में मिलते है जैसे अलवर, भरतपुर और धौलपुर जिलों में पाये जाते हैं।

2021. नेशनल बाँस मिशन के अंतर्गत कौन सा जिला शामिल नहीं है?

(a) जालौर (b) बाँसवाड़ा
(c) करौली (d) भीलवाड़ा

उत्तर – (a)

व्याख्या– राष्ट्रीय बाँस मिशन के अंतर्गत राजस्थान के करौली, सवाई माधोपुर, उदयपुर, चित्तौड़गढ़, बाँसवाड़ा, प्रतापगढ़, राजसमन्द, भीलवाड़ा, झालावाड़, डूँगरपुर और सिरोही जनपद आते हैं।